डा0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद

(निःशुल्क प्रकाशनार्थ) प्रेस विज्ञप्ति दिनांक 08.01.2018

आज दिनांक 08 जनवरी 2018 को डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद के इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग में प्रसिद्व स्तम्भकार एवं वरिष्ठ पत्रकार डॉ0 भरत झुनझुनवाला जी का एक व्याख्यान सिन्धु घाटी सभ्यता के नये आयाम नामक शीर्षक पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में मुख्य अतिथि भरत झुनझुनवाला एवं विशिष्ट अतिथि श्री शीतला सिंह, वरिष्ठ पत्रकार एवं कार्यपरिष्द सदस्य ओम प्रकाश सिहं तथा कार्यक्रम के अध्यक्ष कुलपति माननीय प्रो0 मनोज दीक्षित जी का स्वागत पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र देकर विभागाध्यक्ष प्रो0 अजय प्रताप सिह द्वारा स्वागत किया गया। तत्पश्चात् अपने सम्बोधन में प्रो0 अजय प्रताप सिंह ने कहा कि सिन्धु घाटी सभ्यता हमारी प्राचीनतम सभ्यता है दुनिया में इससे पुरानी कोई सभ्यता नही है, इस सभ्यता का सातत्य आज भी स्नानागार, अन्नागार, नलियों एवं मुख्य सडकों की व्यवस्था, नाग पूजा एवं पीपल के पेड की पूजा मातृ देवी की पूजा के रूप में दिखाई पडता है। इस विषय पर आगे और भी व्यापक शोध की आवश्यकता है। प्रो0 सिंह ने मुख्य अतिथि एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे माननीय कुलपति जी से आग्रह किया कि जिस तरह से बडी सहजता से आप कार्यक्रम में आने के लिए सहमति प्रदान कर देते हैं, इसके लिए मैं आभारी हूॅ और आशा करता हूॅ कि भविष्य में जब भी विभाग में कोई भी आयोजन होगा तो ऐसे ही निरन्तर आपका सहयोग मिलता रहेगा। प्रो0 अजय प्रताप सिंह ने सभी को बताया कि विभागीय छात्रा दिव्या साहू एवं एकता शुक्ला ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता बनकर विभाग तथा विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया। इसके लिए प्रो0 सिंह ने छात्राओं को माननीय कुलपति जी से सम्मानित करवाया। कुलपति जी ने दोनो छात्राओं को रु0 2100/– का पुरस्कार दिया।

उसके पश्चात् कार्यक्रम के अध्यक्ष माननीय कुलपति प्रो0 मनोज दीक्षित जी ने अपने सम्बोधन में कहा कि मै आभारी हूॅ कि मुझे इस कार्यक्रम मे आने का अवसर प्राप्त हुआ, ऐसे चिन्तन वाले विषय पर चर्चा होना छात्रों एवं शोध छात्रों के लिए बहुत ही उपयोगी होगा। कुलपति जी ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम की रिर्काडिग की जाए एवं उसे विश्वविद्यालय के धरोहर के रूप में सुरक्षित रखा जाए। कुलपति जी ने कहा कि आज से लगभग 3000 वर्ष पूर्व एक पूर्ण विकसित नगरीय सभ्यता का होना आश्चर्य की बात है इसका तात्पर्य है कि इस सभ्यता के पहले भी सैन्धव लोंगों का हजारो वर्षों का इतिहास रहा होगा। इस तथ्य को दुनिया के सामने लाना आप सभी शोधार्थियों के लिए चुनौती है। इस विषय पर जिस प्रकार के शोध आवश्यकता है वह अभी तक नही हुआ है, उन्हानें ने छात्रों का आहवाह्न किया कि आप लोग इस विषय पर शोध करें संसाधनों की कोई भी कमी नही होने पायेगी।

विशिष्ठ अतिथि श्री शीतला सिंह ने सैन्धव सभ्यता के आर्थिक पक्ष पर जोर देते हुए कहा कि सिन्धु सभ्यता में मजदूर, कामगार आदि को रोजगार प्राप्त होता था। नाना साहब देशमुख का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका स्नेह विद्वतजनों से विषेष रूप से रहता था, और वह हमेंशा बौद्विक परिचर्चा एवं चिन्तन के लिए उपलब्ध रहते थे, और जब भी फैजाबाद कोई आता था तो मेरा हाल जरूर पूछते थे। उन्होनें कहा कि भरत झुनझुनवाला जी भी सरोकार बौद्विक चिन्तन, बौद्विक लेखने एवं बौद्विक परिचर्चा से सदैव रहा है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता डॉ0 भरत झुनझुनवाला ने अपने सम्बोधन में सर्व प्रथम प्रो0 अजय प्रताप सिंह के लिए कहा कि मुझे विश्वविद्यालय में छात्रों से सीधे संवाद का अवसर प्रदान करने के लिए मै आपका हृदय से आभारी हूॅ। आगे उन्होने सभी धर्मों की उत्पत्ति के विषय पर बोलते हुए कहा

कि सिन्धु धाटी सभ्यता से ही सभी धर्मों की उत्पत्ति का प्रमाण मिलता है। उन्होनें बाईबिल एवं वाल्मीकि रामायण तथा पुराणों के विभिन्न संदर्भों के सम्बन्ध में तुलनात्मक अध्ययन करते हुए अपने साक्ष्यों के आधार पर यह सिद्व करने का प्रयास किया कि कहीं न कहीं सभी धर्मो का सम्बन्ध सिन्धु धाटी सभ्यता से ही जुडा हुआ दिखाई देता है। उन्होनें बाईबिल एवं वाल्मीकि रामायण तथा भगवत गीता के विभिन्न पात्रों का तुलनात्मक अध्ययन करते हुए यह बताने का प्रयास किया कि यह सभी पात्र एक ही जान पडते हैं। उन्होंने बताया कि मूल रूप से ईसाई, यहूदी तथा मुस्लिम धर्म सिन्धु धाटी से ही पश्चिम एशिया को गये तथा हिन्दू धर्म भी सिन्धु धाटी सभ्यता से ही पूर्व की तरफ फैला।

कार्यक्रम के अन्त में आये हुए अतिथियों एवं छात्र–छात्राओं का धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के सम्मानित कार्य परिषद के सदस्य श्री ओम प्रकाश सिंह ने किया। कार्यक्रम का संचालन विभागीय शिक्षक डॉ0 राजेश सिंह ने किया।

इस कार्यक्रम में प्रो0 आलोक मणि त्रिपाठी, प्रो0 एन0 के0 तिवारी, डॉ0 फारख जमाल, डॉ0 संग्राम सिंह, डॉ0 देव नारायण वर्मा, डॉ0 राना रोहित सिंह, डॉ0 संजय चौधरी, डॉ0 विनोद चौधरी, प्रो0 आर0 पी मिश्रा, डॉ0 सिद्वार्थ शुक्ला, डॉ0 सुधीर प्रकाश श्रीवास्तव, डॉ0 आदित्य सिंह, डॉ0 मृदुला पाण्डेय, डॉ0 दिवाकर त्रिपाठी एवं विश्वविद्यालय कर्मचारी संध के अध्यक्ष डॉ0 राजेश सिंह एवं महामंत्री राम कुमार के साथ विभागीय छात्र/छात्रॉए तथा कर्मचारी गण मौजूद रहे।

(प्रो0 अजय प्रताप सिंह)

विभागाध्यक्ष